



भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर - 2026-27

कक्षा-9	विभाग: हिंदी	Date - 26.04.2026
STUDY MATERIAL - 3 →	अनुच्छेद-लेखन	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____ अनुभाग: _____ अनुक्रमांक: _____ दिनांक: _____

बदलती दुनिया में पीछे छूटते जीवन-मूल्य

संकेत बिंदु-

*संसार परिवर्तनशील

*बदलाव का प्रभाव

*खोते नैतिक मूल्य

यह संसार परिवर्तनशील है। कल तक जो नया था, वह आज पुराना हो जाता है। इस परिवर्तन से हमारे जीवन-मूल्यों में भी बदलाव आता जा रहा है। पैदल और बैलगाड़ी पर सफ़र करने वाला मनुष्य आज वातानुकूलित रेलगाड़ियों और तीव्रगामी विमानों से सफ़र कर रहा है। हरकारे और कबूतरों से संदेश भेजने वाला मनुष्य आज टेलीफ़ोन और तार की दुनिया से भी आगे आकर मोबाइल फ़ोन पर आमने-सामने बातें करने लगा है। दुर्भाग्य से हमारे जीवन-मूल्य इस प्रगति में पीछे छूटते गए। कल तक दूसरों के लिए त्याग करने वाला, अपना सर्वस्व दान देने वाला मनुष्य आज दूसरों का माल छीनकर अपना कर लेना चाहता है। परोपकार, उदारता, मित्रता, परदुःखकातरता, सहानुभूति, दया, क्षमा, साहस जैसे मूल्य जाने कहाँ छूटते जा रहे हैं। हम स्वार्थी और आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं।

क्रिकेट का लोकप्रिय प्रारूप - टी-ट्वेंटी

संकेत बिंदु-

* नए प्रारूप की विशेषता

* लोकप्रियता का कारण

* टी-ट्वेंटी में भारत की स्थिति

क्रिकेट हमारे देश का अत्यंत लोकप्रिय खेल है। कुछ समय तक यह दो प्रारूपों – टेस्ट मैच और एक दिवसीय रूप में ही खेला जाता था पर इधर करीब एक दशक से इसे टी-20 क्रिकेट के प्रारूप में खेला जाने लगा है। इसका नाम फटाफट क्रिकेट भी है क्योंकि इसे 20-20 ओवरों तक ही खेला जाता है। लगभग चार घंटे में समाप्त हो जाने से इस मैच में रोमांच अपने चरम पर पहुँच जाता है। इस प्रारूप में परिणाम का निकलना तय रहता है। कम समय में क्रिकेट का भरपूर आनंद देने के कारण आजकल इसकी लोकप्रियता चरम पर है। आजकल यह क्रिकेट की प्रतिभा परखने का अच्छा साधन बन गया है। इस प्रारूप में कई बार तो 50 ओवरों तक खेले जाने वाले क्रिकेट मैच से भी अधिक रन बन जाते हैं। रनों की बारिश देखने का मज़ा टी-20 प्रारूप में ही है। भारत ने सन् 2007 में पाकिस्तान को हराकर टी-20 क्रिकेट का विश्व कप जीता था। इस खेल में भारत आज भी विशिष्ट स्थान रखता है। इसी खेल के माध्यम से एक दिवसीय एवं टेस्ट मैच में भारतीय खिलाड़ी विश्व में क्रिकेट प्रेमियों के दिलों पर राज कर रहे हैं।

मोबाइल फ़ोन

कुछ सालों पहले जिस शब्द से कोई परिचित भी नहीं था, आज बच्चा-बच्चा उसे जानता है। जी हाँ, ठीक पहचाना आपने, वह शब्द है मोबाइल फ़ोन। अब इंटरनेट शब्द इसके साथ और जुड़ गया है। यह कुछ ऐसा ही है जैसे कि मोबाइल फ़ोन शरीर है और इंटरनेट उसकी आत्मा। आज यह जन-जन की ज़रूरत बन गया है। अब तो स्मार्टफ़ोन ने हमारी दुनिया ही बदल दी है। चाहे वह ऑनलाइन बैंकिंग हो या रेलवे की टिकट बुकिंग, होटल बुकिंग, दवा, भोजन, फ़ास्ट फूड आदि सब घर बैठे ही अपने मोबाइल द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। सोशल साइट - फ़ेसबुक, व्हाट्सएप के आ जाने से हम घर बैठे ही अपने दोस्तों और संबंधियों से जुड़ सकते हैं। नौकरियों में भी ऑनलाइन आवेदन माँगे जाने लगे हैं जिससे मोबाइल इंटरनेट वरदान साबित हुआ है। लेकिन इसने छात्रों का ध्यान भटकाया भी है। वे अपना वक्त गाना सुनने, फिल्म देखने

और चैटिंग करने में बिताने लगे हैं। पढ़ाई का स्तर गिर रहा है। आँखें अंदर धँसने लगी हैं। मोबाइल द्वारा आपराधिक गतिविधियाँ भी बढ़ने लगी हैं। आतंकवाद के प्रसार में भी इसका योगदान कम नहीं है। कहा जा सकता है कि मोबाइल फोन का दुरुपयोग बीमारियों का घर है। अतः इसका सही इस्तेमाल करें, इससे कुछ सीखें और इसे अपनी ज़िंदगी बनाएँ।

स्वच्छ भारत अभियान

संकेत बिंदु:

* उद्देश्य

* लोगों की भागीदारी

* लाभ

स्वच्छ भारत अभियान एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाना है। इस अभियान में स्वच्छता को महत्व दिया गया है। इस अभियान का शुभारंभ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस अभियान को सफल बनाने के लिए देश के नागरिकों की भागीदारी आवश्यक है। देश के प्रत्येक नागरिक को साफ-सफाई के महत्व को समझना होगा एवं अपने घर, आस-पड़ोस को साफ रखना होगा। इसकी सफलता के लिए देश के प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता का संकल्प लेना होगा कि न वह स्वयं गंदगी फैलाएगा, न ही दूसरे को फैलाने देगा। स्वच्छता हमारे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी है। स्वच्छता से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। यह एक अच्छी आदत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिए अपनाना चाहिए। अपने आसपास की साफ-सफाई से बीमारियाँ नहीं फैलेंगी और हमारा जीवन स्तर उच्च होगा। बीमारियों पर होने वाले अनावश्यक खर्च की भी बचत होगी जिससे हमारी आर्थिक उन्नति के साथ-साथ कार्य क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी।

जीवन में खेलों का महत्व

खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ और मज़बूत बनाते हैं, बल्कि हमारे मन को भी प्रसन्न और सक्रिय रखते हैं। खेलों के माध्यम से हम अनुशासन, टीम वर्क और सहनशीलता जैसे गुण सीखते हैं। यह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। नियमित खेलकूद से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। इससे पाचन-शक्ति अच्छी होती है और रक्त-संचार ठीक रहता है। इसके अलावा, खेलों में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ता है और हम दूसरों के साथ मेलजोल करना सीखते हैं। खेल हमारे जीवन में खुशियाँ और उत्साह लाते हैं। यह हमें तनाव से दूर रखता है और जीवन को आनंदमय बनाता है। इसलिए, हमें अपने दैनिक जीवन में खेलों को शामिल करना चाहिए और स्वस्थ जीवन-शैली अपनानी चाहिए।

मधुर वाणी

मधुर वाणी का अर्थ है - शब्दों का वह प्रयोग जो सुंदरता और सौम्यता से भरा हो। यह वाणी हमारे बोलने का तरीका है, जो हमारे विचारों को सहजता से व्यक्त करता है। मधुर वाणी वह अद्वितीय गुण है जो हमारे जीवन को स्नेहपूर्ण बनाता है। यह वह विशेष शक्ति है जो हमें अपने विचारों को बयान करने की कला सिखाती है और अन्यो के दिलों को छूने का साधन बनती है। मधुर वाणी से हम सब के साथ अच्छे और सामंजस्यपूर्ण संबंध बना सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण कौशल है जो हमें सच्चाई को संवाद में अद्भुतता से व्यक्त करने में मदद करता है। मधुर वाणी हमें विवादों और विरोधाभासों को समझने और समाधान करने के लिए भी सशक्त बनाती है। यह हमें समाज में सहयोग करने की प्रेरणा भी प्रदान करती है। मधुर वाणी एक समृद्ध समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमें सम्मान और समर्थन के माध्यम से एक-दूसरे के साथ साझा जीवन बिताने की प्रेरणा देती है। इसलिए, मधुर वाणी को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना हमारे लिए आवश्यक है। हमें इसके माध्यम से बोलचाल को संवेदनशील बनाने का प्रयास करना चाहिए।